Result Mitra Daily Magazine

भारत में Skimmed Milk Powder

हालिया सन्दर्भ

- भारत के कई राज्यों द्वारा बनाए गए कड़े गौवध विरोधी कानून (Stringent anti slanghter laws) के कारण भारतीय डेयरी किसान पहले से ही अनुत्पादक मवेशियों (ऐसे मवेशी जो पर्याप्त दूध नहीं देते या जो न मवेशी हैं) के निपटान संबंधित चुनौतियां का सामना कर रहे हैं।
- लेकिन अब भारतीय डेयरी किसान एसएमपी SMP (Skimmed milk powder) के अधिशेष (Surplus) स्टॉक होने के कारण भी चिंतित है।
- नए उत्पादन वर्ष (जून जुलाई 2024) की शुरुआत में ही भारतीय सहकारी और निजी डेयरियों के पास अनुमानतः 3 से 3.25 लाख टन SMP, स्किम्मड मिल्क पाउडर के स्टॉक हैं।

SMP (Skimmed milk powder) क्या है ?

- गाय के दूध में औसतन 3.5% वसा और 8.5% ठोस गैस वसा, SNF (Solid not fat) होता है जबकि भैंस के दूध में 6.5% वसा और 9% ठोस और वसा (SNF) होता है।
- गाय एवं भैंसों के इन दूधों को खराब हो जाने के कारण लंबे समय के लिए इसका भंडारण नहीं किया जा सकता है।
- अतः फ्लश सीजन (ऐसा समय जब दूध देने वाले मवेशी अधिक दूध का उत्पादन करते हैं) के समय डेयरी किसान या डेयरियां इन अतिरिक्त दूध का उपयोग मक्खन, घी और एसएमपी (Skimmed milk powder) बनाने में इसका उपयोग करते हैं।
- मवेशियों के दूध के वास से मक्खन और घी तथा गैस ठोस वसा (SNF) से Skimmed milk powder तैयार किया जाता है।
- इनका Skimmed milk powder का उपयोग डेयरी किसान या डेयरियां उस समय करते हैं जब मवेशियों द्वारा दुग्ध उत्पादन कम हो जाता है।
- इसको Skimmed milk powder को पानी के साथ मिलाकर तरल दूध में संयोजित किया जाता है।

Result Mitra

फ्लश सीजन क्या होता है ?

- फ्लश सीजन आमतौर पर ऐसे सीजन को कहा जाता है जब मवेशियां अधिक दूध का उत्पादन करती हैं इसके विपरीत लीन सीजन (Lean Season) ऐसे सीजन को संदर्भित करता है जब मवेशियों के दूध उत्पादन में अपेक्षाकृत गिरावट आ जाती है।
- महाराष्ट्र सहित दक्षिण भारतीय राज्यों में फ्लश सीजन आमतौर पर दक्षिण पश्चिम मानसून के बाद जुलाई से शुरू होकर दिसंबर तक रहता है जबकि गुजरात सहित उत्तर भारत में फ्लश सीजन सितंबर से मार्च तक चलता है।
- 1000 लीटर गाय के दूध से डेयरी किसान या डेयरियां लगभग 8.75 किलोग्राम स्किम्मड मिल्क पाउडर (SNF से) एवं लगभग 3.6 किलोग्राम घी (वसा से) तैयार करती हैं।

स्किम्ड मिल्क पाउडर का ज्यादा उत्पादन समस्या क्यों है ?

- फ्लश सीजन के दौरान डेयरी किसान या डेयरियां अतिरिक्त दूध का उपयोग घी, मक्खन और स्किम्ड मिल्क पाउडर बनाने में करती हैं जबकि इस सीजन के दौरान ग्राहक इनका अधिक उपयोग नहीं करते हैं।
- भारत में सालाना डेयरी किसान या डेयरियां लगभग 5 से 6 लाख टन स्किम्ड मिल्क पाउडर का उत्पादन करती हैं।
- इन 5 से 6 लाख टन स्किम्मड मिल्क पाउडर में से 4 लाख टन SMP का उपयोग लीन सीजन (दूध के मंदी के मौसम) के दौरान दूध के पुर्नसंयोजन के लिए किया जाता है जबकि 1.5 से 2 लाख टन Skimmed milk powder का उपयोग आइसक्रीम, बिस्कुट, चॉकलेट, मिठाइयां, शिशु खाद्य उत्पादन एवं अन्य औद्योगिक उत्पादों के लिए होता है।
- 2023-24 भारत के लिए प्रचुर एवं निरंतर दूध आपूर्ति का वर्ष था जबकि 2022-23 में अभूतपूर्व दूध की कमी देखी गई।
- वर्ष 2023 महाराष्ट्र के डेयरियों को पीले मक्खन (गाय) के लिए 430 से 435 रुपए प्रति किलोग्राम एवं स्किमड मिल्क पाउडर का लगभग 315 से 320 रुपए प्रति किलोग्राम मिला जो की रिकार्ड मूल्य था।
- वर्तमान वर्ष के अप्रैल से जून महीने में दूध की उपलब्धता में वृद्धि के कारण वर्तमान भारतीय डेयरियां 3 से 3.5 लाख टन स्किमड मिल्क पाउडर से भरी हुई है जिसका फ्लश सीजन शुरू होने के बाद सितंबर से अधिक स्टॉक बढ़ाने की संभावना है।

अधिक स्किम्ड मिल्क पाउडर के स्टॉक से डेयरी किसान या डेयरियों पर प्रभाव

- वर्तमान समय में भारत में अधिक दुग्ध उत्पादन के कारण लीन सीजन के दौरान भी Skimmed milk powder के बिक्री में लगातार कमी दर्ज की जा रही है जिसका प्रभाव इसके दरों में गिरावट का कारण बन गई है।
- वर्तमान दूध के लीन सीजन के दौरान स्किम्ड मिल्क पाउडर का दर ₹ 320 प्रति किलोग्राम से गिरकर 200 से 210 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है जबकि पीले मक्खन की कीमत ₹ 400 प्रति किलोग्राम से गिरकर 335 से 340 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है।
- हालांकि SMP के विपरीत 'वसा' का भारत में घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ताओं के बीच अच्छा बाजार है।

Result Mitra

- भारत में अगस्त से नवंबर तक चलने वाले त्योहारों के सीजन के दौरान मिठाइयों की खपत में वृद्धि के कारण SMP की तुलना में वसा (घी और मक्खन) की कीमतों में सुधार की संभावना है।

वैश्विक स्तर पर SMP की दरों में गिरावट

- कई डेयरी किसान एवं डेयरियों का मानना है कि सरकार को स्किम्मड मिल्क पावडर के बढ़ते जमा स्टॉक से निपटने एवं डेयरी किसानों को मुनाफा प्रदान करने के लिए एकमात्र तरीका इसका विदेशी निर्यात को बढ़ावा देना हो सकता है।
- हालांकि वर्तमान में वैश्विक मंच पर स्किम्मड मिल्क पाउडर की वर्तमान कीमत भारत में हालिया कीमत से भी कम है जो इसके वाणिज्यिक निर्यात को अव्यवहार्य बनाती है।

न्यूजीलैंड स्थित ग्लोबल डेयरी ट्रेड पाक्षिक

- ऑनलाइन नीलामी मंच पर स्किम्मड मिल्क पाउडर की दरें 2586 डॉलर प्रति टन चल रही है जो अप्रैल 2022 के 4599 डॉलर प्रति टन से काफी कम है।
- इसके अलावा भारत का स्किम्ड मिल्क पाउडर निर्यात 2013-14 की 1.3 लाख टन से घटकर वर्ष 2023-24 में मात्र 4800 टन रह गया है।

भारत में डेयरी उत्पाद एवं निर्यात

- कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात प्राधिकरण (APEDA) जो वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली संस्था है के आंकड़े के अनुसार भारत 2022-23 के दौरान लगभग 230.58 मिलियन टन दूध का उत्पादन करके दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में विश्व के शीर्ष देशों में से एक है।
- भारत का यह दुग्ध उत्पादन संयुक्त राज्य अमेरिका के दुग्ध उत्पादन से दोगुना और चीन से तीगुना अधिक है।
- भारत में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 458 ग्राम प्रति दिन है।
- भारत में विदेशी/संकर नस्ल की दूध देने वाली मवेशियों की प्रतिदिन प्रति पशु औसत ऊपर 8.55 किलोग्राम है जबकि स्वदेशी/गैरवर्णित मवेशियों के लिए यह 3.44 किलोग्राम प्रति दिन प्रति पशु है।
- 2022-23 के आंकड़े के अनुसार भारत को शीर्ष पांच दुग्ध उत्पादक राज्यों में उत्तर प्रदेश (15-72%), राजस्थान (14.44%), मध्यप्रदेश (8.73%), गुजरात (7.49%) एवं आंध्र प्रदेश (6.70%) प्रमुख है।
- यह पांचों राज्य संयुक्त रूप से भारत के कुल दूध उत्पादन में 53.08% का योगदान देते हैं।

निर्यात

- वर्ष 2022-23 के आंकड़े के अनुसार भारत द्वारा कुल 68 हजार मीट्रिक टन डेयरी उत्पाद का निर्यात कर लगभग 284.65 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्राप्त किया।
- भारत द्वारा डेयरी उत्पाद का निर्यात करने वाले प्रमुख देशों में बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, संयुक्त राज्य अमेरिका और भूटान प्रमुख हैं।

Result Mitra

श्वेत क्रांति (White revolution)

- 13 दिसंबर 1970 को शुरू की गई श्वेत क्रांति या ऑपरेशन फ्लड राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा संचालित डेयरी विकास कार्यक्रम के अधीन एक ऐतिहासिक परियोजना थी।
- डॉक्टर वर्गीज कुरियन को श्वेत क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है।
- डॉक्टर वर्गीज कुरियन ने भारत में अमूल ब्रांड (AMUL BRAND) की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- डॉक्टर वर्गीज कुरियन ने नीतियों एवं प्रयासों की वजह से ही भारत वर्ष 1998 में अमेरिका को पछाड़कर दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश बन गया। श्वेत क्रांति को तीन चरणों (i)1970 से 1980, (ii)1981 से 1985 तथा तीसरा 1985 से 1996 में वर्गीकृत किया गया।
- श्वेत क्रांति का पहला चरण विश्व खाद्य कार्यक्रम के माध्यम से यूरोपीय आर्थिक समुदाय द्वारा दान किए गए स्किम्ड मिल्क पाउडर और बटर ऑयल की बिक्री से वित्तपोषित किया गया जिसके तहत 18 प्रमुख दूध शेडों को जोड़ा गया एवं चार महानगरों में 'मदर डेयरी' की स्थापना की गई।
- श्वेत क्रांति के दूसरे चरण (1981-85) में दूध शेडों की संख्या बढ़ाकर 18 से 136 कर दी गई एवं 43 हजार ग्राम सहकारी समितियों को समन्वित किया गया।
- श्वेत क्रांति के तीसरे चरण (1985-96) के अंतर्गत डेयरी सहकारी समितियों को दूध की खरीद और विपणन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का विस्तार किया गया।
- इस दौरान 43 हजार सहकारी समितियों में 30 हजार नई डेयरी सहकारी समितियों को जोड़ा गया।